मंगलवार

33 साल से देहरादून का विश्वास

13 मई 2025

- देहरादून
- वर्ष 33
- अंक 101
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

एक और रिश्वतखोर दबोचा

हमारे संवाददाता

टिहरी। दाखिल खारिज में सही नाम चढ़ाने की एवज में 15 हजार रुपए की रिश्वत लेने वाले अमीन को सतर्कता अधिष्ठान सेक्टर देहरादून की ट्रैप टीम द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया है। जिससे पूछताछ जारी है।

शिकायतकर्ता द्वारा सतर्कता अधिष्ठान सैक्टर देहरादून, में एक शिकायती पत्र देकर बताया गया कि कि, उसकी पत्नी द्वारा 31 जनवरी 2025 को ग्राम छनाड़, थत्यूड जौनपुर जिला टिहरी गढवाल में लगभग 1500 वर्ग मी0, भूमि क्रय की गयी है, जिसकी दाखिल खारिज पत्रावली में तहसील नाजिर बीरेन्द्र सिंह कैन्तुरा, द्वारा जानबूझकर गलत आपत्ति रिपोर्ट लगायी जा रही है, एवं सही रिपोर्ट एवं दाखिल खारिज में नाम चढाने के एवज में रिश्वत की माँग की जा रही हैं। शिकायत के आधार पर सतर्कता अधिष्ठान सैक्टर देहरादून की ट्रैप टीम द्वारा नियमानुसार कार्यवाही करते हुए आज आरोपी बीरेन्द्र सिंह कैन्तुरा, हाल नाजिर तहसील धनोल्टी, जनपद टिहरी गढवाल को शिकायतकर्ता से 15,000/- रूपये (पन्द्रह हजार रूपये) की रिश्वत लेते हुये, तहसील धनोल्टी स्थित आरोपी के कार्यालय से गिरफ्तार किया गया है।

गिरफ्तारी के उपरान्त सतर्कता अधिष्ठान देहरादून की टीम द्वारा आरोपी के आवास की तलाशी व अन्य स्थानों पर चल-अचल सम्पत्ति के सम्बन्ध में पूछताछ जारी है।

निदेशक सतर्कता डॉ० वी० मुरुगेसन, द्वारा ट्रैप टीम को नकद पुरस्कार से पुरस्कृत करने की घोषणा की गयी।

उन्होंने आमजन से अपील की है कि यदि कोई राज्य के सरकारी विभागों में नियुक्त अधिकारी/कर्मचारी, अपने पदीय कार्य के सम्पादन में किसी प्रकार का दबाव बनाकर रिश्वत की मांग करता है तथा उसके द्वारा आय से अधिक अवैध सम्पत्ति अर्जित की गयी हो, तो इस सम्बन्ध में सतर्कता अधिष्ठान के टोल फ्री हैल्पलाइन नम्बर-1064 एवं व्हाट्सप्प हैल्पलाईन नम्बर 9456592300 पर सम्पर्क कर भ्रष्टाचार के विरूद्ध अभियान में निर्भीक होकर सूचना दें।

दून वैली मेल

संपादकीय

गोल-गोल घूमते सवाल

ऑपरेशन सिंदूर पर सीज फायर के फैसले से उपजे तमाम सवालों के बीच बीते कल शाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देशवासियों को संबोधित करने के लिए टीवी चैनलों पर लाइव आए। पीएम मोदी को चाहिए तो यह था कि वह इतने अहम मुद्दे पर पत्रकार वार्ता करते और उन सवालों का बेबाकी से जवाब देते जो देश की जनता के मन को मथ रहे हैं। लेकिन पीएम मोदी जो सवाल सुनना नहीं चाहते सिर्फ अपनी बात कहने के आदी हैं उन्हें यह ठीक नहीं लगा होगा। यही कारण है कि वह विपक्ष के किसी मुद्दे पर विशेष सत्र बुलाने की मांग को नजरअंदाज कर चुके हैं और सर्वदलीय बैठकों में उन्होंने उपस्थित होना भी जरूरी नहीं समझा। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में ऑपरेशन सिंदूर को देश की सुरक्षा एजेंसियों, सुरक्षा बलों व सेना की अभूतपुर्व कार्यवाही बताते हुए इसे देश की मां-बहनों व बेटियों को समर्पित बताया गया। यह बहुत अच्छी बात है कि कम से कम देश के प्रधानमंत्री को उनके सिंदूर की सुरक्षा का इतना अहसास तो है कि वह उनकी सुरक्षा के लिए बड़ी से बड़ी आपदा का जोखिम लेने में पीछे नहीं हटते हैं भले ही वह किसी देश के साथ युद्ध ही क्यों न हो। अपनी सेनाओं के प्राक्रम को तो हम सभी इन चार दिनों में देख ही चुके हैं जिन्हें हर देशवासी सेल्यूट कर रहा है। पीएम ने अपने संबोधन में बहुत सारी महत्वपूर्ण बातें कहीं उन्होंने यह भी साफ कर दिया है कि ऑपरेशन सिंदूर स्थगित किया गया है समाप्त नहीं। यानी कि इस सीज फायर का महत्व सिर्फ तब तक ही है जब तक कोई अगली आतंकी घटना नहीं होती। सीधे तौर पर कहा जाए तो आतंकी घटना भी होगी और फिर युद्ध भी होगा तथा वह आतंकवाद की जड़ों को उखाड़ फेंकने तक होगा। उन्होंने सबसे महत्वपूर्ण बात कही है कि भारत अब परमाणु हथियारों के नाम पर ब्लैकमेलिंग को कतई नहीं सहेगा? सवाल यह है कि क्या यह सीज फायर का फैसला परमाणु हथियारों के इस्तेमाल का डर दिखाकर किया या कराया गया है? अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने सीज फायर के फैसले के साथ परमाणु खतरे की जिस बात को चिपकाया था क्या पीएम मोदी का यह जवाब ट्रंप को दिया गया जवाब माना जाना चाहिए? या फिर उसके पीछे कई अन्य तथ्य छुपे हुए हैं अपने पूरे संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा आतंक के मुद्दे पर पाक को तो भरपूर नसीहतें दी गई लेकिन उन्होंने ऐसा किसी भी सवाल का जवाब नहीं दिया जो जरूरी थे। उन्होंने यह तो बता दिया कि सीज फायर की पहल करने वाला पाकिस्तान ही था लेकिन यह नहीं बताया कि इस सीज फायर की घोषणा अमेरिकी धरती से ट्रंप द्वारा क्यों की गई? कश्मीर समस्या पर प्रधानमंत्री ने यह तो कह दिया कि पाकिस्तान से अब आगे अगर कोई वार्ता होगी तो वह कश्मीर पर नहीं सिर्फ पीओके पर ही होगी लेकिन ट्रंप ने कश्मीर समस्या के समाधान करने की बात क्यों की गई? इस पर वह कुछ भी नहीं बोले। अमेरिका को इस द्विपक्षीय मामले में हस्तक्षेप का मौका किसने दिया? मोदी के इस संबोधन से कुछ सवालों का पूरा जवाब नहीं मिल सका कि सीज फायर सहमति के क्या कारण थे। ठीक है भारतीय सेना ने आतंकी कैंप तबाह कर दिए लेकिन पहलगाम हमले में 28 लोगों की हत्या करने वालों का क्या हुआ वह मारे गए या पकड़े जा चुके हैं। इसका कुछ अता-पता नहीं चला। न ही इस ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना व सुरक्षाबलों की कितनी हानि हुई इसकी कोई जानकारी प्रधानमंत्री ने दी और न उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए दो शब्द बोले गए। पीएम ने न उस सोशल मीडिया की ट्रोल आर्मी को कोई नसीहत दी गई जिन्होंने टीआरपी के लिए देश की सुरक्षा जैसे संवेदनशील मुद्दों पर मिथ्या जानकारी देने की सारी हदें पार कर दी। जिसके कारण पूरे विश्व में भारतीय मीडिया की थू-थू हुई। भले ही अब सत्ता पक्ष के तमाम प्रवक्ता और उनका आई टी सेल इस ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के प्रचार प्रसार में जी जान से जुट गए हो और इस युद्ध जैसे आपदाकाल को भी अवसर में बदलने की कोशिशे शुरू हो गई हो लेकिन ट्रोलरो का वह टिड्डी दल जो अभी रक्षा सचिव और सीज फायर के फैसले को लेकर सरकार पर टूट पड़ा था अगर ऐसा हुआ तो सरकार क्या करेगी यह सवाल इसलिए भी अहम हो चुका है क्योंकि देश की टीवी मीडिया व प्रिंट मीडिया अपनी विश्वसनियता को खो चुका है।

मुख्यमंत्री ने 12वीं व 10वीं के परीक्षा परिणामों में उत्तीर्ण सभी विद्यार्थियों को दी बधाई

देहरादून (कासं)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा घोषित कक्षा 12वीं एवं 10वीं के परीक्षा परिणामों में उत्तीर्ण सभी विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

उन्होंने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों के कठिन परिश्रम, समर्पण और अटूट संकल्प का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी छात्र-छात्राएं हमारे राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य के निर्माता हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की है कि सभी विद्यार्थी आगे भी इसी उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ अपने जीवन में निरंतर प्रगति करते हुए नई ऊँचाइयों को प्राप्त करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा जिन विद्यार्थियों का परिणाम उनकी अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं रहा, वे निराश न हों, यह जीवन का अंतिम पड़ाव नहीं है। यह स्वयं को और बेहतर बनाने, आत्ममंथन करने और नए सिरे से आगे बढ़ने का अवसर है। असफलता भी सफलता की राह का एक महत्वपूर्ण चरण होती है।

उत्तराखण्डः तीन वर्षों में दर्ज हुये 3044 गंभीर महिला अपराध

अपराधों में 2583 बलात्कार, 327 महिला अपहरण व 134 दहेज हत्या

हमारे संवाददाता

देहरादून। महिला अपराधों पर उत्तराखंड वासी हमेशा आंदोलनरत रहे हैं लेकिन फिर भी पिछले तीन वर्षों में उत्तराखंड में 2583 बलात्कार सहित 3044 गंभीर महिला अपराध दर्ज हुये हैं। जो कि एक गम्भीर विषय है। हालांकि राहत की बात यह हैं कि वर्ष 2024 में 2022 की अपेक्षा महिला अपराधों में 5 प्रतिशत कमी आयी है।

इस बात का खुलासा काशीपुर निवासी सूचना अधिकार कार्यकर्ता नदीम उद्दीन एडवोकेट द्वारा उत्तराखंड पुलिस मुख्यालय से मांगी गयी सूचना के तहत हुआ है। उपलब्ध सूचना के अनुसार वर्ष 2024 में 822 बलात्कार, 164 महिला अपहरण तथा 25 दहेज हत्या कुल 1011 गंभीर महिला अपराध उत्तराखंड में दर्ज हुये हैं जबकि वर्ष 2023 में 843 बलात्कार, 77 महिला अपहरण, 47 दहेज हत्या कुल 967 गंभीर महिला अपराध दर्ज हुये हैं। वर्ष 2022 में 918 बलात्कार 86 महिला अपहरण तथा 62 दहेज हत्या सहित 1066 गंभीर महिला अपराध दर्ज हुये थे। वर्ष की तुलना में वर्ष 2024 में गंभीर महिला अपराधों में 5 प्रतिशत की कमी आयी है। उपलब्ध जिलावार आंकड़ों के अवलोकन से स्पष्ट हैं कि पिछले 3 वर्षों में सर्वाधिक गंभीर महिला अपराध 777 हरिद्वार जिले में, दूसरे स्थान पर 741 उधमसिंह नगर जिले तथा तीसरे स्थान पर 684 देहरादून जिले में हुये हैं, जबकि अन्य जिलों में नैनीताल में 297, अल्मोड़ा में 70, पिथौरागढ़ में 81, बागेश्वर में 26, चम्पावत में 59, उत्तरकाशी में 54, टिहरी गढ़वाल में 96, चमोली में 53, रूद्रप्रयाग में 19, पौड़ी गढ़वाल में 86 तथा जी.आर.पी. (रेलवे) में 1 अपराध दर्ज हुआ है। उत्तराखंड में वर्ष 2022 से 2024 तक तीन वर्षों में 2583 बलात्कार के अपराध दर्ज हुये हैं। इसमें सर्वाधिक 682 हरिद्वार जिले में, दूसरे स्थान पर 654 उधमसिंह नगर जिले तथा तीसरे स्थान पर 559 देहरादून जिले में दर्ज हुये हैं। अन्य जिलों में नैनीताल में 270, अल्मोड़ा में 61, पिथौरागढ़ में 64, बागेश्वर में 23, चम्पावत में 52, उत्तरकाशी में 37, टिहरी गढ़वाल में 64, चमोली में 39, रूद्रप्रयाग में 8, पौड़ी गढ़वाल में 69 तथा 1 जी.आर.पी. रेलवे में दर्ज हुआ है।

तीन वर्षों में महिला अपहरण के दर्ज 327 अपराधों में देहरादून जिले में सर्वाधिक 109 अपराध दर्ज हुये हैं जबकि दूसरे स्थान पर उधमसिंह नगर जिले में 55 तथा तीसरे स्थान पर हरिद्वार जिले में 48 महिला अपहरण के अपराध दर्ज हुये हैं। अन्य जिलों में 11 नैनीताल, 8 अल्मोड़ा, 13 पिथौरागढ़, 1 बागेश्वर, 4 चम्पावत, 15 उत्तरकाशी, 28 टिहरी गढ़वाल, 12 चमोली, 8 रूद्रप्रयाग, 15 पौड़ी गढ़वाल जिलों में महिला अपहरण के अपराध दर्ज हुये हैं। वर्ष 2022 से 2024 तक उत्तराखंड में दर्ज 134 दहेज हत्या के अपराधों में सर्वाधिक 47 हरिद्वार जिले में, दूसरे स्थान पर 32 उधमसिंह नगर जिले में तथा तीसरे स्थान पर 16-16 देहरादून व नैनीताल जिले में दर्ज हुये। अन्य जिलों में 4-4 अपराध पिथौरागढ़ व टिहरी गढ़वाल जिलों में, 3-3 अपराध चम्पावत व रूद्रप्रयाग जिलों में, 2-2 अपराध बागेश्वर, उत्तरकाशी, चमोली, पौड़ी गढ़वाल जिलों में तथा 1 दहेज हत्या का अपराध अल्मोड़ा जिले में दर्ज हुआ है।

दुकान की आड़ में करता था नशा तस्करी, गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

चम्पावत। परचून की दुकान की आड़ में नशा तस्करी करने वाले एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से एक किलो 379 ग्राम चरस बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज थाना लोहाघाट पुलिस, एसओजी तथा एएनटीएफ को संयुक्त रूप से सूचना मिली कि क्षेत्र में एक व्यक्ति परचून की दुकान की आड़ में नशे का कारोबार कर रहा है।

सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस, एसओजी व एएनटीएफ टीम ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए बताये गये स्थान ग्राम मानेश्वर, लोहाघाट में छापेमारी कर ललित मोहन जोशी पुत्र महेश चन्द्र

जोशी निवासी ग्राम मानेश्वर, थाना लोहाघाट को हिरासत में ले लिया गया। जिसके कब्जे से 1.379 किलोग्राम चरस बरामद हुई। पूछताछ में आरोपी द्वारा बताया गया कि उसके द्वारा यह चरस स्वयं घर में तैयार कर अपनी परचून की दुकान में छोटी-छोटी मात्रा में लोगों को बेची जाती है। बहरहाल पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

चोरी की मोटरसाईकिलों, मोबाइल व पर्स के साथ तीन गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चोरी की तीन मोटरसाईकिलों, मोबाइल व पर्स के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 11 मई को चन्द्र विहार कारगी निवासी श्रीमती पूजा खुराना ने पटेलनगर कोतवाली में प्रार्थना पत्र दिया कि वह अपने बच्चे को स्कूल से लेने जाने के दौरान पिंक सैलून कारगी चौक के पास मोटरसाइकिल सवार 02 युवकों द्वारा पीछे से आकर उनके हाथ से उनका पर्स, जिसमे उनका मोबाइल फोन व कुछ नगदी थी, छीनकर मौके से भाग जाने का मुकदमा दर्ज कराया था। वहीं उसी दिन श्रीमती मकेश कौर निवासी निरंजनपुर ने भी प्रार्थना पत्र

दिया गया कि दोपहर के समय वह सब्जी खरीदने निरंजपुर मण्डी मे गई थी, जहाँ सब्जी खरीदते समय किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा उनका पर्स, जिसमे मोबाइल व नगदी थी, चोरी कर लिया, पुलिस ने दोनों मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी। लगातार हुई चोरी तथा स्नेचिंग की घटनाओं की गंभीरता की दृष्टिगत एसएसपी अजय सिंह द्वारा घटनाओं के खुलासे हेतु आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कोतवाली पटेल नगर पर अलग-अलग टीमों का गठन किया गया। गठित टीमों द्वारा घटनास्थलों के आसपास लगे सीसीटीवी

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

गर्मियों के दौरान पहनें ऐसे सनग्लासेस, दिखेंगी बेहद आकर्षक

सनग्लासेस न केवल आंखों को सूरज की हानिकारक किरणों से बचा सकते हैं, बल्कि गर्मियों के दौरान स्टाइलिश दिखने में भी मदद कर सकते हैं।

सही सनग्लासेस का चयन करना जरूरी है ताकि आप आरामदायक महसूस करें और साथ ही आपके लुक में चार चांद लग जाएं।

आइए कुछ ऐसे सनग्लासेस के बारे में जानते हैं, जो इस मौसम के लिए बेहतरीन हैं और आपको भीड़ से अलग दिखाएंगे।

बड़े फ्रेम वाले सनग्लासेस

बड़े फ्रेम वाले सनग्लासेस इस गर्मी के मौसम में काफी चलन में हैं। ये न केवल आपके चेहरे को अच्छी तरह से ढकती हैं, बल्कि धूप से भी आपकी आंखों को बचाती हैं।

इनका चयन करते समय ध्यान रखें कि फ्रेम का रंग और डिजाइन आपके कपड़ों से मेल खाता हो ताकि आपका लुक पूरा हो सके।

बड़े फ्रेम वाले सनग्लासेस खासतौर पर उन लोगों के लिए बेहतरीन होती हैं, जो लंबे समय तक धूप में रहते हैं।

रंग-बिरंगे लेंस वाले सनग्लासेस

रंग-बिरंगे लेंस वाले सनग्लासेस इस साल बहुत लोकप्रिय हो रही हैं। ये न केवल देखने में आकर्षक लगती हैं, बल्कि आंखों को भी अलग-अलग रंगों की रोशनी से बचाती हैं।

नीला, हरा, पीला आदि रंगों के लेंस आपके लुक को खास बना सकते हैं। इन लेंस वाले सनग्लासेस को पहनकर आप किसी भी मौके पर अलग और स्टाइलिश दिख सकती हैं।

इसके अलावा ये लेंस आपकी आंखों को आरामदायक महसूस करवाते हैं और धूप से बचाते हैं।

मोटे फ्रेम वाले सनग्लासेस

मोटे फ्रेम वाले सनग्लासेस इस मौसम का एक खास हिस्सा बन गए हैं। ये न केवल मजबूत होते हैं बल्कि बहुत ही स्टाइलिश भी दिखते हैं।

इनके फ्रेम्स में गोल, चौकोर और आयताकार तीनों ही आकार उपलब्ध होते हैं, जो किसी भी चेहरे पर अच्छे लगते हैं।

इन चश्मों को आप रोजमर्रा की जिंदगी में या खास मौकों पर पहन सकती हैं। मोटे फ्रेम वाले सनग्लासेस आपके लुक को खास बनाते हैं।

कैट-आई शेप वाले सनग्लासेस

कैट-आई शेप वाले सनग्लासेस हमेशा से ही फैशन में रहे हैं और इस बार भी यह पीछे नहीं हटे हैं।

इनका अनोखा डिजाइन आपके चेहरे को एक अलग ही आकर्षण देता है। कैट-आई शेप वाले सनग्लासेस खासतौर पर महिलाओं के बीच लोकप्रिय हैं क्योंकि ये उन्हें एक ग्लैमरस लुक देते हैं।

इन्हें आप किसी भी अवसर पर पहन सकती हैं, चाहे वह रोजमर्रा की जिंदगी हो या कोई खास पार्टी।

बड़े गोल आकार वाले सनग्लासेस

अगर आप कुछ नया आजमाना चाहती हैं तो बड़े गोल आकार वाले सनग्लासेस आपके लिए बेहतरीन विकल्प हो सकते हैं।

ये न केवल देखने में अलग लगते हैं बल्कि बहुत ही आरामदायक भी होते हैं। इनका आकार हर प्रकार के चेहरे पर अच्छे लगते हैं और इन्हें आप किसी भी मौके पर पहन सकती हैं।

बड़े गोल आकार वाले सनग्लासेस आपके लुक को खास बनाते हैं और आपको भीड़ से अलग दिखाते हैं।(आरएनएस)

20 मई को राष्ट्रव्यापी हड़ताल को लेकर सीटू जिला कमेटी की बैठक सम्पन्न

संवाददाता

देहरादून। 20 मई को राष्ट्रव्यापी हडताल को लेकर सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियंस की जिला कमेटी की बैठक सम्पन्न हुई।

आज यहां सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियंस (सीटू) जिला कमेटी की बैठक सीटू जिला कार्यालय में सम्पन्न हुई। बैठक में सीटू के प्रांतीय सचिव लेखराज ने कहा कि 20 मई की हड़ताल मोदी सरकार की मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ मजदूरों का आक्रोश है।

उन्होंने कहा कि 44 श्रम कानूनों को जो श्रमिकों ने बड़े बलिदानों से हासिल किए थे किसी सरकार ने उन्हें अपनी ओर से खैरात में लागू नहीं किए है। मजदूरों के असंख्य संघर्ष से हासिल किए गए थे किंतु मोदी की भाजपा सरकार द्वारा 2020 में जब पूरी दुनियां में करोना से त्राहि-त्राहि मची थी किन्तु आपदा को अवसर में बदलते हुए विपक्ष के सांसदों को निलंबित करते हुए इन 44 श्रम कानूनों में से 29 प्रभावशाली श्रम कानूनों को समाप्त करते हुए 4 संहिताएं संसद में पास की गई जबकि सीटू सहित अन्य सेंटर ट्रेड यूनियनों ने मिलकर इसका विरोध किया जिस कारण केन्द्र सरकार इन मजदूर विरोधी संहिताओं को लागू नहीं कर सकी थी किन्तु अब यह सरकार बैक डोर से इन्हें लागू कर रही है या कर पूरी तरह से लागू करना चाहती है जिसके खिलाफ यह ऐतिहासिक हड़ताल होने जा रही है जो कि अन्य जिलों की तरह राजधानी देहरादून में भी इस हड़ताल को सफल बनाया जाएगा।

इस अवसर पर बस्ती बचाओ आंदोलन के संयोजक अनंत अकाश ने बताया कि 20 मई की हड़ताल में प्रभावित बस्तीवासी भी बड़ी संख्या में हिस्सेदारी करेंगे क्योंकि बस्तियों मजदूर वर्ग ही रहता है उन्होंने कहा कि सरकार एलिवेटेड रोड के नाम पर बस्तियों को अवैध घोषित कर उन्हें ध्वस्त करने पर तुली है। उन्होंने कहा कि 20 मई की हड़ताल में वे बड़ी संख्या में शामिल हो कर एकता का परिचय देंगे।

इस अवसर पर वरिष्ठ ट्रेड यूनियनिस्ट गोपाल दादर ने भी हड़ताल को सफल बनाने का आह्वान किया उन्होंने स्कूल कर्मचारियों से भी हड़ताल पर रहने का आहवान किया। इस अवसर पर एस,एस,नेगी ने कहा कि आंगनवाड़ी ,आशा वर्कर्स भी हड़ताल पर रहेंगे। भोजन माताओं की यूनियन की प्रांतीय अध्यक्ष रोशनी बिष्ट महामंत्री मोनिका ने भी पर प्रदेश में भोजन माताएं हड़ताल पर रहेंगी। इस अवसर पर संविदा व निर्माण श्रमिक भी हड़ताल पर रहेंगे। बैठक की अध्यक्षता कर रहे सीटू के जिला अध्यक्ष कृष्ण गुनियाल ने 20 मई की हड़ताल को सफल बनाने हेतु सारी यूनियनों के पदाधिकारियों को निर्देशवदीय ओर बैठ का समापन किया।

इस अवसर पर रविन्द्र नौडियाल, राम सिंह भंडारी, अभिषेक भंडारी, नरेंद्र सिंह, प्रेमा गढ़िया, हरीश कुमार, बुद्धि सिंह चौहान, दया किशन पाठक, योगेश कुमार धीमान, जितेंद्र पुंडीर, गुरमीत सिंह, भोजन माताएं विमला कौशल, रजनी रावत, मोनिका, कमला गुरुंग, रोशनी, सोनू कुमार आदि यूनियनों के पदाधिकारियों उपस्थित थे।

शेरपुर गांव में नया अभियान शुरू करेगी डिवेलपमेंट फाउंडेशन

संवाददाता

देहरादून। मुमकिन है डिवेलपमेंट फाउंडेशन, की निदेशक श्रीमती प्रगति सडाना के नेतृत्व में, शेरपुर गांव (शीशम बाड़ा के पास) में एक विशेष जनजातीय कल्याण अभियान शुरू करने जा रही है।

आज यहां जनजातीय सशक्तिकरण और समावेशी विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, मुमकिन है डिवेलपमेंट फाउंडेशन, अपनी निदेशक श्रीमती प्रगति सडाना के नेतृत्व में, शेरपुर गांव (शीशम बाड़ा के पास) में एक विशेष जनजातीय कल्याण अभियान शुरू करने जा रही है। यह पहल जनजातीय अनुसंधान संस्थान और जिला समाज कल्याण विभाग की स्वीकृति और सहयोग के साथ चलाई जाएगी, जिससे यह सुनियोजित और स्थायी रूप से समुदायों के जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में काम करेगा। इस अभियान की शुरुआत केंद्र सरकार द्वारा घोषित जनजातीय गौरव वर्ष और भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में की जा रही है। बिरसा मुंडा भारतीय जनजातीय समाज के महान स्वतंत्रता सेनानी और गौरव का प्रतीक हैं। अप्रैल से नवंबर 2025 तक चलने वाले इस अभियान के अंतर्गत आजीविका और उद्यमिता को लेकर जागरूकता कार्यक्रम, सिकल सेल एनीमिया व अन्य स्वास्थ्य समस्याओं पर जनजागरूकता अभियान, पारंपरिक आयुर्वेदिक और प्राकृतिक चिकित्सा शिविर, स्वच्छता, मासिक धर्म स्वच्छता और कुपोषण पर सामुदायिक सत्र, जनजातीय स्कूल के छात्रों को पोषण किट वितरण, जनजातीय महिलाओं और किशोरियों को सैनिटरी पैड वितरण, 'कला, संस्कृति और विरासत' विषय पर जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों को समर्पित चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। श्रीमती प्रगति सडाना, निदेशक, मुमकिन है डिवेलपमेंट फाउंडेशन ने कहा कि यह पहल केवल कार्यक्रमों की एक श्रृंखला नहीं है, बल्कि जनजातीय परिवारों को सम्मान, स्वास्थ्य और अवसर लौटाने की हमारी प्रतिबद्धता है। ओएनजीसी, जनजातीय अनुसंधान संस्थान और जिला समाज कल्याण विभाग के सहयोग से हम शेरपुर गांव में स्थायी बदलाव लाने की कोशिश कर रहे हैं। यह अभियान न केवल स्वास्थ्य और आजीविका की तत्काल जरूरतों को संबोधित करता है, बल्कि भारत के जनजातीय समुदायों की आत्मा, इतिहास और विरासत का भी उत्सव मनाता है।

नशा व सट्टे के मामले में 7 गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

नैनीताल। नशा व सट्टे के अलग-अलग मामलों में कार्यवाही करते हुए पुलिस ने 7 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से 7 पेटी शराब, भारी मात्रा में कच्ची शराब व नशीले इंजेक्शन बरामद किये गये है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज थाना बनभूलपुरा पुलिस द्वारा चैकिंग अभियान के दौरान 7 अलग अलग मामलों में अवैध शराब, नशीले इंजेक्शन एवं सटोरिया सहित कुल 6 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस टीम द्वारा एक आरोपी साजिद पुत्र गुड्डू निवासी चेनल गेट के सामने इन्द्रानगर छोटी रोड थाना बनभूलपुरा उम्र 20 वर्ष को वहद् गौला पार्किंग सज्जाद की झोपडी थाना बनभूलपुरा से इन्जेक्शनो की तस्करी करते हुए 12 नशीले इंजेक्शनों सहित 12 नशीले इंजेक्शनों के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। वहीं दूसरे मामले में पुलिस ने आरोपी आरिश पुत्र मुनीर खां नि. ला. न. 18 थाना बनभूलपुरा नैनीताल उम्र 20 वर्ष को एक सट्टा डायरी मय एक कार्बन व एक आरेन्ज रंग का नीला पैन व कुल 2540 रुपये के साथ वहद् रियाज के घर के सामने रेलेवे पटरी के पास थाना बनभूलपुरा जिला नैनीताल से गिरफ्तार किया गया है। वहीं आरोपी विनोद कुमार पुत्र मोनू कुमार निवासी टाटा मोटर के सामने गोरा पडाव थाना हल्द्वानी को वहद् रेलवे फाटक के पास चोरगलिया रोड थाना बनभूलपुरा नैनीताल से शराब की तस्करी करते हुऐ 2 पेटी देशी शराब के साथ गिरफ्तार कर लिया है।

वहीं थाना चोरगलिया पुलिस द्वारा बीती शाम सरकारी देशी शराब ठेका के पास उम्मेदपुर से आरोपी मुकुल सिंह बर्गली पुत्र महिपाल सिहं बर्गली निवासी हिम्मतपुर गौलापार 5 पेटी देशी शराब व तस्करी में प्रयुक्त कार सहित गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस द्वारा हनुमान मन्दिर तिराहा रतनपुर नेगी के पास से आरोपी बुद्धि वल्लभ पलड़िया पुत्र ईश्वरी दत्त पलड़िया निवासी ग्राम रतनपुर नेगी 89 पाउच कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया किया गया। वहीं कोतवाली भवाली क्षेत्र में पुलिस द्वारा आरोपी ईश्वरी सिंह जीना पुत्र शोबन सिंह जीना निवासी ग्राम कूल पोस्ट प्यूडा थाना भवाली नैनीताल के कब्जे से 89 पाऊच देसी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। कोतवाली लालकुंआ पुलिस द्वारा आरोपी अभिषेक कुमार पुत्र रमेश कुमार निवासी हिम्मतपुर चौम्बाल हल्दूचौड़ लालकुआं को 63 पाउच कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार कर लिया गया है।

मदर्स डे

– संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

मदर्स डे एक ऐसा दिन है जोकि सारे संसार में अपनी माताओं को सम्मान देने के लिए मनाया जाता है। माँ और बच्चे का संब ंध ही सिर्फ एक ऐसा प्रेम है जो कि एक पवित्र व स्वार्थ से रहित है। यदि हम अपने जीवन से उदाहरण लें तो हम देखते हैं कि सबसे उँची व अच्छी मिसाल माँ और बच्चे के सांसारिक प्रेम की ही है। हम देखते हैं कि कैसे एक छोटा बच्चा अपनी माँ के बालों को खींचता है और उसके गालों पर थप्पड़ मारता है तो भी माँ को उसकी इन हरकतों पर क्रोध नहीं आता। यहाँ तक कि अगर बच्चा गंदगी

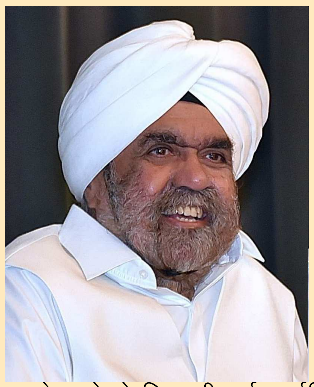

से लिपटा हुआ अपनी माँ के पास आता है तो भी वह बच्चे को गले से लगा लेती है। एक माँ का प्रेम अपने बच्चे के लिए दिल से दिल की राह है। माँ और बच्चे के रिश्ते के बीच लालच का कोई स्थान नहीं है। एक माँ अपने बच्चे के लिए सब कुछ न्यौछावर कर देती है। वह स्वयं अपनी थाली से भोजन लेकर बच्चे को खिलाती है। इसी प्रकार वह स्वयं अपना कोट उतारकर बच्चे को देती है ताकि उसका बच्चा गर्म महसूस कर सके। एक माँ द्वारा अपने बच्चे के लिए की गई कुर्बानियों व बलिदान का कोई अंत नहीं है। इस पवित्र रिश्ते में एक माँ अपने बच्चे के प्रेम के सिवाय इस दुनिया के जितने भी लगाव व प्रेम हैं उनको छोड़ देती है। जब बच्चा उसकी बाहों में लेटा होता है तो वह सब कुछ भूल जाती है और सिर्फ अपने बच्चे के प्रेम में मगन रहती है। एक माँ इस रिश्ते में अपना आपा अर्थात् अहंकार को त्याग देती है। इसी प्रकार एक माँ अपने बच्चे की इच्छाओं के आगे स्वयं को झुका लेती है और उसकी निस्वार्थ भाव से सेवा करती है। हम जानते हैं कि एक माँ का अपने बच्चे के प्रति प्रेम नाजुक और हृदय स्पर्शी है। यह सांसारिक प्रेम का शुद्ध रूप है जो कि पूरी तरह से स्वार्थ से रहित है। इसके साथ ही बच्चों को भी यह जानना और समझना चाहिए कि उनकी माताएँ किस प्रकार उनकी सेवा करती हैं और कितना वे उनके आराम और सुख–सुविधा के लिए त्याग करती हैं। जब हम बड़े हों तो हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हम अपनी माताओं के लिए क्या करें। हम उन्हें आदर सहित प्रेम करके ऐसा कर सकते हैं। हम अपने अंतर्मन से हमारे लिए की गई उनकी कोशिशों व प्रयासों को स्वीकार करें। इसके साथ ही यह भी कहा जाता है कि एक प्रभु का प्रेम अपने शिष्य के लिए हज़ारों माताओं के प्रेम से भी बढ़कर है। सर्वशक्तिमान पिता–परमेश्वर हम सभी को बहुत प्रेम करते हैं। वे हमसे किसी भी प्रकार की कोई आशा नहीं करते और वे केवल हमें देने के लिए ही आते हैं। वे हमेशा हमें अपने अंतर में जाकर उनसे जुड़ने के लिए प्रेरित करते हैं। हम मदर्स डे के दिन यह प्रतिज्ञा करें कि हम अपनी माँ के निस्वार्थ प्यार को न सिर्फ मदर्स डे के दिन स्मरण करेंगे बल्कि उसे प्रतिदिन अपने दिलों में संजो कर रखेंगे। हम परम पिता–परमात्मा का भी शुक्रिया अदा करें कि उन्होंने हमें मानव जीवन का सुनहरा अवसर प्रदान किया है और उनके अनगिनत आशीर्वाद व असीम प्रेम का शुक्रिया अदा करने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि हम प्रेम से सदाचारी जीवन जीते हुए ध्यान–अभ्यास में समय दें और आध्यात्मिक मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ें।

एएसपी ने किया आईसीसीसी का औचक निरीक्षण

संवाददाता

टिहरी। एएसपी जेआर जोशी ने स्मार्ट एंड इंटेलीजेंट कमाड एंड कंट्रोल सेंटर का औचक निरीक्षण कर जरूरी दिशा निर्देश दिये।

आज यहां अपर पुलिस अधीक्षक जेआर जोशी द्वारा जिला मुख्यालय में स्थित आईसीसीसी (स्मार्ट एंड इंटेलीजेंट कमाड एंड कंट्रोल सेंटर) का औचक निरीक्षण किया। उनके द्वारा यहां पर लगे सभी 48 कैमरों का भौतिक निरीक्षण किया गया और डयूटीरत कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। एएसपी द्वारा बताया गया कि यातायात के नियमों का

उल्लंघन पाए जाने पर आवश्यक कार्यवाही हेतु तत्काल कोतवाली को सूचित किया जाये। दुपहिया वाहनों पर ट्रिपलिंग एवं हेलमेंट ना पहनने वालों की लगातार मॉनिटरिंग की जाए एवं चालान की कार्रवाही की जाये। इस दौरान उन्होंने निरीक्षण रजिस्टर एवं चालानी रजिस्टर भी चेक किया जो अध्यावधिक पाया गया।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

गर्मियों के दौरान रोजाना एक गिलास नारियल का दूध पीने से मिल सकते हैं ये फायदे

गर्मी का मौसम अपने साथ कई समस्याएं लेकर आता है। इस मौसम में लू, पानी की कमी, चक्कर आना और सिरदर्द जैसी परेशानियां हो सकती हैं।

इन समस्याओं से बचने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पीना जरूरी है, लेकिन रोजाना एक गिलास नारियल का दूध पीने से भी शरीर को ठंडक मिल सकती है।

आइए जानते हैं कि गर्मियों के दौरान डाइट में नारियल का दूध शामिल करने से क्या-क्या फायदे मिल सकते हैं।

शरीर को ठंडक देने में है सहायक

नारियल का दूध प्राकृतिक रूप से ऐसे तत्वों से भरपूर होता है, जो शरीर में पानी के स्तर को संतुलित रखने में मदद कर सकते हैं। इसके अलावा इसमें मौजूद पोटेशियम और मैग्नीशियम जैसे खनिज शरीर को ठंडक देने में सहायक होते हैं। यही नहीं, नारियल के दूध का सेवन करने से शरीर में पानी की कमी नहीं होती है, जिससे डिहाइड्रेशन से बचा जा सकता है।

वजन को नियंत्रित करने में है प्रभावी

नारियल का दूध वजन को नियंत्रित करने में भी मदद कर सकता है। इसका कारण है कि इसमें ऐसे फैटी एसिड होते हैं, जो शरीर को अतिरिक्त कैलोरी जलाने में मदद कर सकते हैं। इसके अलावा नारियल का दूध लंबे समय तक पेट को भरा हुआ महसूस करवाने में मदद करता है, जिससे आप अनहेल्दी स्नैक्स खाने से बच सकते हैं और वजन को नियंत्रित कर सकते हैं।

पाचन क्रिया को स्वस्थ रखने में है कारगर

नारियल का दूध पाचन क्रिया को स्वस्थ रखने में भी मदद कर सकता है।

इसका कारण है कि यह मैग्नीशियम और पोटेशियम जैसे खनिजों से भरपूर होता है, जो पाचन एंजाइम के उत्पादन को बढ़ाकर पाचन को बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं।

नारियल का दूध पाचन को सुचारू रखने में सहायक होता है। इसलिए रोजाना एक गिलास इसका सेवन करें।

हृदय को स्वस्थ रखने में है मददगार

नारियल का दूध हृदय को स्वस्थ रखने में भी मदद कर सकता है।

इसमें मौजूद फैटी एसिड हानिकारक कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करके अच्छे कोलेस्ट्रॉल के स्तर को संतुलित करने में मदद कर सकते हैं।

इसके अतिरिक्त यह मैग्नीशियम और पोटेशियम जैसे खनिजों से भरपूर होता है, जो हृदय को स्वस्थ रखने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। हालांकि, हृदय रोगी डॉक्टरी सलाह के बाद ही इसका सेवन करें।

त्वचा के लिए भी है लाभदायक

नारियल का दूध त्वचा के लिए भी फायदेमंद साबित हो सकता है।

यह त्वचा को नमी देने और पोषण देने में मदद कर सकता है। इसके अलावा इसमें मौजूद फैटी एसिड त्वचा को मुलायम बनाने में मदद कर सकते हैं। लाभ के लिए नारियल के दूध को रूई से चेहरे पर लगाएं और 10 से 15 मिनट के बाद चेहरे को साफ कर लें। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -28

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. खूब कसा हुआ, फूर्तिला, जो शिथिल व आलसी न हो 3. सार्वजनिक स्थान, संस्था, अस्तित्व, समिति 4. पौरुष, पुरुषत्व, मर्द होने का भाव 6. अंधेरा, अंधकार 7. लिपाई करना 9. शरीर, काया, जिस्म 10. मां के पिता, विभिन्न 12. महीना, मास 14. प्रियतम, बलमा, सजना 15. पांडवों का सबसे छोटा भाई 17. नशा, घमंड, खाता 19. वनोपज, वन से प्राप्त सामाग्री 21. शक्तिशाली, बलवान 24. तीव्र इच्छा 25. हथेली।

ऊपर से नीचे

1. निंदा, बुराई 2. निर्जीव, निष्प्राण 3. ध्वनियों या स्वरों का विशिष्ट लय में प्रस्फुटन, धुन, म्युजिक 4. झुका हुआ, विनीत 5. रूठे हुए को प्रसन्न करना, राजी करना 8. आश्रय, शरण 11. जन्म, जिंदगी 12. इंसानियत, मनुष्यता 13. रास्ता, मार्ग 14. एक हिंदी महीना, श्रावण 15. सपाट, जो उबड़-खाबड़ न हो 16. पति का छोटा भाई 18. गहरा कीचड़, पंक 20. आत्मा, अंतःकरण (उ.) 22. बीता हुआ या आने वाला दिन 23. बगुला।

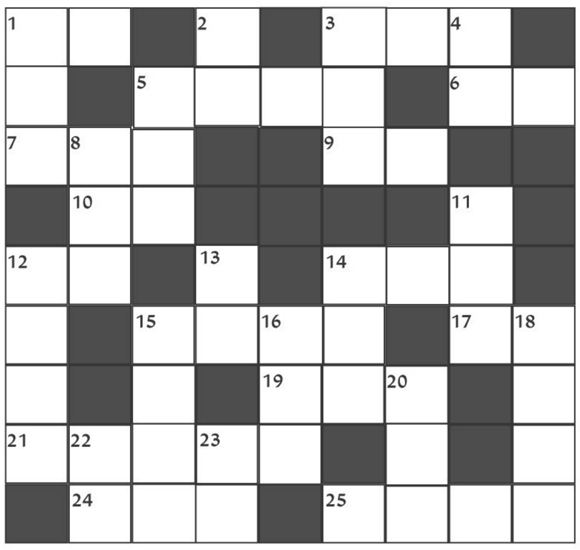

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 27 का हल

गु	मा	न			प	यो	द	
न		ह	क	दा	र		ल	य
ह	वा	ला	त		च		द	म
गा			रा	ज	म	ह	ल	
र	ई	स		ग		स		अ
	मा		प	त	वा	र		ल
ख	न	क	ना		ह	त		बे
स	दा		ह		वा		शो	ला
रा	र				ही	र	क	

अब थिएटर्स में नहीं ओटीटी प्लेटफॉर्म में रिलीज होगी भूल चूक माफ

भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव और देश भर में सुरक्षा को मद्देनजर रखते हुए राजकुमार राव और वामिका गब्बी की आगामी फिल्म भूल चूक माफ के शेड्यूल में बड़ा बदलाव किया गया है। यह बदलाव फिल्म के थिएटिकल रिलीज से ठीक एक दिन पहले किया गया है। भूल चूक माफ के मेकर्स ने फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज न करने का फैसला लिया है। यह फिल्म 9 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी। फिल्म के मेकर्स ने अनाउंसमेंट करते हुए अपने बयान में बताया कि वे भूल चूक माफ के शेड्यूल में बदलाव कर रहे हैं। मेकर्स ने अपने बयान में कहा,हाल की घटनाओं और पूरे देश में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर, मैडॉक फिल्म्स और अमेजन एमजीएम स्टूडियोज ने 16 मई को प्राइम वीडियो पर दुनिया भर में अपने फैमिली एंटरटेनर भूल चूक माफ को सीधे आपके घरों तक लाने का फैसला किया है।

बयान में आगे कहा गया है, जबकि हम थिएटर्स में आपके साथ इस फिल्म का जश्न मनाने के लिए काफी एक्साइटेड थे, लेकिन राष्ट्र की भावना सबसे पहले आती है। जय हिंद। इसे जानकारी देते हुए मेकर्स ने अपने पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, राष्ट्र की भावना सबसे पहले आती है। 16 मई को प्राइम वीडियो पर सीधे देखें भूल चूक माफ।

इस अनाउंसमेंट के बाद यह साफ हो गया है कि राजकुमार राव और वामिका गब्बी अभिनीत फिल्म भूल चूक माफ बड़े पर्दे पर रिलीज नहीं होगी। बता दें, करण शर्मा निर्देशित फिल्म रूप से 9 मई को सिनेमाघरों में प्रीमियर होना तय था। लेकिन मेकर्स ने इसे सीधे ओटीटी पर रिलीज करने का विकल्प चुना है। अब यह 16 मई को प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगा।

करण शर्मा निर्देशित और लिखित भूल चूक माफ दिल को छू लेने वाली रोमांटिक कॉमेडी है, जिसमें राजकुमार राव-वामिका गब्बी भी हैं। राजकुमार राव ने फिल्म में रंजन नाम के एक ऐसे व्यक्ति की भूमिका निभाई है, जो अपनी मंगेतर तितली के साथ शादी के दिन का बेसब्री से इंतजार कर रहा है। लेकिन शादी से ठीक पहले किस्मत एक ऐसा मोड़ लाती है, जिससे उसकी दुनिया पूरी तरह से उलट-पुलट हो जाती है। वह एक टाइम लूप में फंस जाता है और हर दिन अपनी हल्दी की रस्म की सुबह उठता है। बता दें, यह फिल्म वाराणसी में शूट किया गया है।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव काफी बढ़ गया है। इस हमले में 26 पर्यटकों की जान चली गई।सेना की प्रेस कॉन्फ्रेंस के मुताबिक, 6 और 7 मई की रात को भारतीय सशस्त्र बलों ने पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में पाकिस्तान और पीओके यानी पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी ढांचे को नष्ट करने के लिए एक मिशन ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया।विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने बताया कि कुल 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया और उन्हें सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया गया है। इसके अलावा देश में मॉक ड्रिल का आयोजन किया जा रहा है।

पलक तिवारी की रोमियो एस3 का ट्रेलर 16 मई को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

श्वेता तिवारी की बेटी और अभिनेत्री पलक तिवारी इन दिनों खूब चर्चा में हैं। वह संजय दत्त और मौनी रॉय अभिनीत हॉरर कॉमेडी फिल्म द भूतनी में नजर आ रही हैं। हालांकि, यह बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल दिखाती नहीं दिख रही है।

द भूतनी की असफलता के बाद पलक फिल्म रोमियो एस3 में नजर आएंगी। इसमें उनकी जोड़ी पहली बार ठाकुर अनूप सिंह के साथ बनी है।

रोमिया एस3 में अनूप पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रहे हैं, वहीं पलक फिल्म में उनकी प्रेमिका बनी हैं। फिल्म में अनूप डबल रोल में नजर आएंगे। ट्रेलर में वह जबरदस्त एक्शन करते दिख रहे हैं। इस फिल्म के निर्देशन की कमान गुड्डू धनोआ ने संभाली है तो वहीं पेन स्टूडियो ने इस फिल्म पर पैसा लगाया है। बता दें कि यह फिल्म 16 मई, 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है।

अनूप ने कहा, रोमियो एस 3 एक आशीर्वाद है, एक ऐसी फिल्म जो प्रभाव और दिल से मनोरंजन करती है। मैं उन सभी का आभारी हूं जिन्होंने मुझ पर विश्वास किया और एक एक्शन हीरो के रूप में सिनेमा की दुनिया में मेरी यात्रा को आकार देने में मदद की। इस फिल्म पर गुड्डू सर के साथ काम करना अविश्वसनीय रहा है, और मुझे उम्मीद है कि दर्शक हमारी ऊर्जा को महसूस करेंगे। मुझ पर न केवल एक अभिनेता के रूप में बल्कि एक एक्शन हीरो के रूप में भी भरोसा करने के लिए डॉ. जयंतीलाल गडा सर और पेन स्टूडियो का बहुत-बहुत धन्यवाद। फिल्म रोमियो एस 3 16 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

खौफनाक जंगल में नंगे पांव दौड़ीं तमन्ना भाटिया

तमन्ना भाटिया सिद्धार्थ मल्होत्रा की अपकमिंग माइथोलॉजिकल थ्रिलर, वन-फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट में शामिल हो गई हैं। बुधवार को फिल्म के मेकर्स ने एक्ट्रेस की थ्रिलर एंट्री दिखाते हुए नया टीजर रिलीज किया है। क्लिप में, तमन्ना का चेहरा दिखाई नहीं दे रहा था। हालांकि, वह लाल साड़ी में नंगे पैर जंगल की ओर भागती हुई दिखाई दे रही थीं।

तमन्ना भाटिया टीजर में एक कार से उतरती हैं और जंगल की ओर नंगे पांव भागती हैं। वह टीजर में एक दीया भी जलाती हैं और एक बोर्ड पर आती हैं, जिस पर लिखा है, चेतावनी-सूर्यास्त के बाद जंगल में प्रवेश करने की अनुमति नहीं है। टीजर को सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए बालाजी मोशन पिक्चर्स ने लिखा, भारतीय माइथोलॉजिकल कथाओं और रहस्य से भरे वन-फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट इतिहास और लोककथाओं के पन्नों से सीधे एक कहानी को सामने लाता है। इस शक्तिशाली कहानी में तमन्ना भाटिया का स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। अपने आप में एक शक्ति, जो पहले कभी नहीं देखी गई स्क्रीन पर कमान संभालने के लिए तैयार है।

दिलचस्प बात यह है कि वन-फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट में तमन्ना भाटिया और सिद्धार्थ मल्होत्रा पहली बार एक साथ काम करेंगे। इसलिए फैंस उनकी ऑन-स्क्रीन जोड़ी और केमिस्ट्री देखने के लिए एक्साइटेड हैं। यह फिल्म एक लोक थ्रिलर है जिसे दीपक कुमार मिश्रा को-डायरेक्ट कर रहे हैं जो पंचायत के निर्देशक भी हैं। फिल्म के इस साल जून में फ्लोर पर आने की उम्मीद है और यह 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

इस बीच तमन्ना की आने वाली फिल्मों में रेंजर, राकेश मारिया की बायोपिक और मोस्ट अवेटेड सीक्वल नो एंट्री 2 शामिल हैं। दूसरी ओर, सिद्धार्थ मल्होत्रा फिलहाल जान्हवी कपूर के साथ परम सुंदरी पर काम कर रहे हैं। वह राज शांडिल्य के अगले प्रोजेक्ट का भी हिस्सा हैं और करण जौहर के बैनर तले रेस 4 और निर्देशक शरण शर्मा के साथ एक और अनटाइटल्ड फिल्म के लिए बातचीत कर रहे हैं।

अजय देवगन के साथ ईशा गुप्ता करेंगी धमाल 4 में रोमांस

अजय देवगन फिल्म रेड 2 को लेकर सुर्खियों में हैं। उनकी यह फिल्म 1 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। अजय इन दिनों अपनी इसी फिल्म के प्रचार-प्रसार में जुटे हैं, जिसमें उनकी जोड़ी अभिनेत्री वाणी कपूर के साथ बनी है, वहीं रितेश देशमुख फिल्म के विलेन हैं।

उधर अजय की फिल्म धमाल 4 भी सुर्खियां बटोर रही है, जिसमें अब ईशा गुप्ता की एंट्री हो गई है।

आइए जानें और अक्या कुछ जानकारी मिली है।

रिपोर्ट के मुताबिक, धमाल की चौथी किस्त धमाल 4 में ईशा गुप्ता को एक अहम भूमिका के लिए कास्ट कर लिया गया है। वह इस फिल्म में अजय के साथ रोमांस करती दिखेंगी।

ईशा को टोटल धमाल में भी देखा गया था, लेकिन इसमें उन्होंने कैमियो किया था। अब वह अपनी यही भूमिका को दोहराती दिखेंगे, लेकिन इस बार उनके किरदार को बढ़ा दिया गया है।

फिल्म से संजीदा शेख और अंजली आनंद का नाम पहले ही जुड़ गया था।

टोटल धमाल के मुख्य कलाकार अजय देवगन, रितेश देशमुख, अरशद वारसी, जावेद जाफरी, संजय मिश्रा और विजय पाटकर अगली किस्त में भी बने रहेंगे और एक बार फिर अपनी कॉमेडी से दर्शकों को लोटपोट करते दिखेंगे।

इस बार फिल्म में रवि किशन और उपेंद्र लिमये की एंट्री हुई है। बीते मार्च में फिल्म की शूटिंग शुरू हुई थी और जून में शूट पूरा होने की उम्मीद है।

साल 2026 में यह फिल्म सिनेमाघरों का रुख करेगी।

ईशा और अजय ने पहली बार फिल्म बादशाहो में साथ काम किया था, जो साल 2017 में रिलीज हुई थी। मिलन लुथारिया के निर्देशन में बनी इस फिल्म में इलियाना डिक्रूज ने भी अहम भूमिका निभाई थी।

विद्युत जामवाल, इमरान हाशमी और संजय मिश्रा भी इसका हिस्सा थे।

90 करोड़ रुपये के बजट में बनी इन फिल्म ने दुनियाभर में 123 करोड़ रुपये कमाए थे।

फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली थी।

कॉमेडी फिल्म सीरीज धमाल साल 2007 में रिलीज हुई थी। संजय दत्त, रितेश देशमुख और अरशद वारसी इसका हिस्सा थे। फिल्म ने 50 करोड़ रुपये कमाए थे और इस पर दर्शकों ने खूब प्यार लुटाया था। साल 2011 में फिल्म का सीक्वल डबल धमाल रिलीज हुआ। फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर ठीक-ठाक प्रतिक्रिया मिली।

इसके बाद साल 2019 में फिल्म टोटल धमाल आई, जिसके हीरो अजय देवगन थे, जो धमाल के चौथे भाग धमाल 4 के साथ लौट रहे हैं।

न्यायपालिका की आलोचना मौजूदा राजनीतिक माहौल

अजीत द्विवेदी

न्यायिक सक्रियता की हमेशा आलोचना होती रही है। यह आम धारणा है कि सरकार कमजोर होती हैं तो न्यायपालिका सक्रिय हो जाती है और वह विधायिका व कार्यपालिका दोनों के अधिकार क्षेत्र का अतिक्रमण करती है या करने की कोशिश करती है। भारत में न्यायिक सक्रियता की सबसे तेज गूंज तभी सुनाई दी थी, जब देश में गठबंधन की सरकारों का दौर शुरू हुआ।

आठवें दशक के आखिरी दिनों से लेकर समूचे नब्बे के दशक में भी न्यायपालिका खूब सक्रिय रही। अनायास नहीं है कि उसी दौर में जजों की नियुक्ति और तबादले का कॉलेजियम सिस्टम भी शुरू हुआ। उस समय सर्वोच्च अदालत के फैसलों से कई नीतियां तय हुईं। आरक्षण की सीमा तय करने से लेकर क्रीमी लेयर बनाने तक के सारे काम उसी दौर में हुए।

तब भी न्यायपालिका की खूब आलोचना होती थी। लेकिन उस समय की आलोचना और अभी हो रही आलोचना में एक बुनियादी फर्क है। उस समय अदालतों के फैसले के गुणदोष पर ज्यादा चर्चा होती थी। हर फैसले को उसके गुणदोष की कसौटी पर कसा जाता था। आलोचना के लिए संवैधानिक तर्क दिए जाते थे। लेकिन अब आलोचना में बौद्धिक दरिद्रता झलकती है। अब फैसले के गुणदोष पर बात नहीं होती है और न फैसले को गलत साबित करने के लिए कोई संवैधानिक तर्क दिया जाता है। अब न्यायपालिका की आलोचना राजनीति में चलने वाले कुतर्कों से की जाती है।

मिसाल के तौर पर तमिलनाडु के राज्यपाल द्वारा विधानसभा से पारित 10 विधायकों को लंबे समय तक लंबित रखने के मामले में दिए गए सुप्रीम कोर्ट के फैसले की जो आलोचना हो रही है उसमें इस फैसले को संवैधानिक प्रावधानों की कसौटी पर गलत साबित करने का एक भी तर्क नहीं दिया जा रहा है। कहा जा रहा है कि अदालतें कानून बनाने लगेंगी तो संसद और विधानसभाओं में ताला लगा देना चाहिए। लेकिन क्या कोई बता सकता है कि अदालत ने कौन सा कानून बना दिया है? कानून तो बना हुआ है कि विधानसभा से पारित किसी भी विधेयक को राज्यपाल मंजूरी देंगे या वापस लौटाएंगे या राष्ट्रपति के पास विचार के लिए भेजेंगे।

यही तीन विकल्प हैं। कानून में यह भी लिखा हुआ है कि अगर राज्यपाल ने विधेयक लौटाया है और विधानसभा उसे दोबारा पारित करके भेजेगी तो अनिवार्य रूप से राज्यपाल को उस पर मंजूरी देनी होगी। यह सब संविधान में लिखा हुआ है। लेकिन इस कानून में एक लूपहोल खोज लिया गया कि इसमें यह नहीं लिखा गया है कि कितने समय में बिल को मंजूरी देनी है या कितने समय में लौटाना है। इस लूपहोल के आधार पर बिल तीन तीन साल लटका दिए गए। सुप्रीम कोर्ट ने सिर्फ इस संवैधानिक प्रावधान की व्याख्या की है और उसकी विसंगति को दूर किया है। सोचें, आमतौर पर कानून से बचने के लिए आरोपियों के वकील कानून के लूपहोल्स निकालते हैं। लेकिन जब संवैधानिक प्राधिकार लूपहोल्स का इस्तेमाल करने लगे तो क्या किया जाए! बहरहाल, सुप्रीम कोर्ट के फैसले का विरोध करने वाले तमाम सांसदों, नेताओं, कथित बुद्धिजीवियों, यूट्यूबर्स आदि को पढ़ने और उनके वीडियो सुनने के बाद यह निष्कर्ष निकला है कि मेरिट पर भले फैसला सही हो लेकिन न्यायपालिका में बहुत कमियां हैं इसलिए उनका फैसला गलत है। फैसले का विरोध करने वाले %विद्वानों' ने जो तर्क दिए, उनमें से कई बहुत दिलचस्प हैं। कहा गया, कॉलेजियम के जरिए जजों की नियुक्ति और तबादले होते हैं और इसमें भाई-भतीजावाद होता है, अमुक व्यक्ति को जमानत देने के लिए एक चीफ जस्टिस ने एक दिन में दो बार बेंच बदली, अमुक व्यक्ति के लिए छुट्टी के दिन बेंच बैठी, अमुक व्यक्ति के मामले में सुनवाई के लिए आधी रात को अदालत खुली, अमुक जज के यहां से नोटों के बंडल निकले लेकिन एफआईआर नहीं हुई, अदालतों में बहुत छुट्टियां होती हैं, अदालतों में करोड़ों मामले लंबित हैं, जज महीनों तक फैसला सुरक्षित रख लेते हैं, जज अपनी संपत्ति का ब्योरा नहीं देते हैं आदि आदि।

%विद्वानों' ने यह साबित किया है कि अदालतें अब भी कांग्रेस के हिसाब से चलती हैं क्योंकि कांग्रेस आजादी के समय से वकीलों की पार्टी रही है। यह भी कहा जा रहा है कि अमुक वकील के पिता भी किसी हाई कोर्ट के एडवोकेट जनरल थे या अमुक आरोपी के पिता कई बरसों तक अटॉर्नी जनरल रहे। सोचें, इसमें राज्यपाल और राष्ट्रपति पर दिए गए फैसले का पहलू कहां है? बौद्धिक दरिद्रता का आलम यह है कि न्यायपालिका की आलोचना के लिए पंडित जवाहर लाल नेहरू की सरकार द्वारा किए गए पहले संविधान संशोधन की तरफदारी की जा रही है और यह भी याद दिलाया जा रहा है कि इंदिरा गांधी व राजीव गांधी ने हैसियत बता दी थी न्यायपालिका की। इस पूरी जमात का सबसे बड़ा बौद्धिक तर्क यह है कि देश के करोड़ों लोगों ने जिनको चुना है वे सबसे ऊपर हैं और काला कोट पहनने वाले दो या पांच लोग तय नहीं करेंगे कि देश के लिए क्या अच्छा है। यह एक धूर्ततापूर्ण तर्क है, जो संवैधानिक व्यवस्था की बजाय चुनी हुई सरकार की तानाशाही की तरफदारी करता है। अगर इस तर्क को मानें कि चुनी हुई सरकार सबसे ऊपर है और उसे ही यह तय करने का अधिकार है कि देश और उसकी जनता के लिए क्या अच्छा है तो फिर किसी भी मसले पर अदालतों के फैसलों की क्या जरुरत है? सोचें, यही कुपढ़ और अपढ़ लोग जो एक फैसले के लिए न्यायपालिका की बखिया उधेड़ रहे हैं उन्होंने उसी न्यायपालिका के कितने फैसलों का जश्न मनाया है! जब काला कोट पहनने वाले लोग कुछ भी तय नहीं कर सकते हैं तो फिर उनके फैसलों पर जश्न मनाने की क्या जरुरत है? असल में इनकी तारीफों की तरह ही इनकी आलोचना भी दिशाहीन और बुद्धिनिरपेक्ष है।

सुप्रीम कोर्ट ने अयोध्या की जमीन हिंदू पक्ष को दे दी और कहा कि मुस्लिम पांच किलोमीटर दूर मस्जिद बनाएं तो अदालत की जय जयकार हुई। अदालत ने कह दिया कि ईवीएम से चुनाव में कोई गड़बड़ी नहीं है तो अदालत की जय जयकार हुई। अदालत ने कहा कि पांच से ज्यादा वीवीपैट मशीनों का ईवीएम से मिलान करने की जरुरत नहीं है तो अदालत की जय जयकार हुई। अदालत ने कहा कि वाराणसी के ट्रायल कोर्ट के जज ने ज्ञानवापी के सर्वे की मंजूरी देकर ठीक किया है क्योंकि सर्वे से किसी धर्मस्थल की संरचना नहीं बदल रही है और इसलिए यह धर्मस्थल कानून का उल्लंघन नहीं है तो अदालत की जय जयकार हुई।

अदालत ने कह दिया कि चुनावी बॉन्ड से चंदा अवैध था लेकिन पार्टियों को मिला चंदा वापस लेने या उसकी जांच की जरुरत नहीं है तो अदालत की जय जयकार हुई, अदालत ने तीन तलाक को अवैध घोषित कर दिया तो उसकी जय जयकार हुई, अदालत ने अनुच्छेद 370 हटाने के फैसले को सही ठहराया तो उसकी जय जयकार हुई। लेकिन उसी अदालत ने कह दिया कि विधानसभा से पारित विधेयक को राज्यपाल द्वारा एक निश्चित समय सीमा में मंजूरी दे दी जानी चाहिए तो फिर अदालत की सारी कमियां और जजों की कई पुश्तों की सच्ची झूठी कहानियां सामने आ जाती हैं। अदालत वाक व अभिव्यक्ति की आजादी बचाने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी कानून की धारा 66ए को निरस्त कर दे या फिर समलैंगिकता को अपराध बनाने वाली धारा को निरस्त कर दे तो फिर अदालत की ऐसी तैसी कर दी जाती है। इन्हीं कुतर्कों के आधार पर अगर विधायिका और कार्यपालिका के बारे में विचार किया जाए तो क्या होगा? लोकसभा के करीब आधे सांसदों के ऊपर आपराधिक मामले हैं। हत्या, बलात्कार, डकैती, बैंक लूट, चोरी, अपहरण, हत्या के प्रयास, मारपीट, बैंक फ्रॉड, ठगी, धोखाधड़ी जैसे आपराधिक मामलों के आरोपी संसद और विधानसभाओं में हैं। सांसदों पर पैसे लेकर वोट देने और पैसे लेकर प्रश्न पूछने के आरोप लगे हैं। निर्वाचित प्रतिनिधियों के झूठे ट्रैवल बिल बनाने का किस्सा भी कुछ समय पहले सामने आया था। निर्वाचित प्रतिनिधियों पर अपनी निधि का पैसा कमीशन लेकर बेचने की आरोप लगते रहे हैं और कहीं भी इसकी कहानियां सुनने को मिल सकती है। राजनीति में वंशवाद फलफूल रहा है और धनबल, बाहुबल से लोग चुनाव जीत रहे हैं। इस तरह के सभी लोग कानून बना सकते हैं क्योंकि इनको जनता ने चुना है लेकिन कानून की पढ़ाई करके और बरसों प्रैक्टिस के बाद जज बने लोग कानून की व्याख्या नहीं कर सकते हैं क्योंकि वे कॉलेजियम से चुने जाते हैं, छुट्टी बहुत करते हैं, मुकदमे बहुत लंबित हैं आदि आदि।

बहरहाल, तमिलनाडु सरकार बनाम तमिलनाडु के राज्यपाल मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ जितना भी बोला या लिखा गया है उसमें कहीं भी यह सुनने या पढ़ने को नहीं मिला कि राष्ट्रपति और राज्यपाल के पद का सृजन करते समय संविधान सभा में क्या बहस हुई थी। डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने क्या कहा था? प्रोफेसर केटी शाह ने क्या कहा और क्या संशोधन प्रस्तावित किया? टीटी कृष्णामचारी ने क्या कहा? इमरजेंसी के समय क्या हुआ था? उससे एक साल पहले शमशेर सिंह बनाम पंजाब सरकार के केस में क्या हुआ था? अभी हाल के दिनों में नबाम रेबिया बनाम डिप्टी स्पीकर के मामले में क्या हुआ था? फर्स्ट या सेकंड जज केस क्या है? गोलकनाथ बनाम पंजाब सरकार या केशवानंद भारती बनाम केरल सरकार या मिनर्वा मिल्स बनाम भारत सरकार का केस क्या है? संविधान के बुनियादी ढांचे का सिद्धांत कैसे और किन परिस्थितियों में सामने आया? कॉलेजियम का सिस्टम किन हालात में बना? बस मुंह उठाए और आलोचना कर दी। चूंकि न्यायपालिका की आलोचना मौजूदा राजनीतिक माहौल के अनुरूप है तो अनापशनाप तर्क गढ़ कर आलोचना की जा रही है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

ट्रंप विरोधी राष्ट्रवाद

ट्रंप ने अपने जुबानी तीर से कनाडा की संप्रभुता पर जिस तरह निशाने साधे, वही कनाडा के आम चुनाव में निर्णायक मुद्दा साबित हुआ। वरना, ट्रुडो की सरकार इतनी अलोकप्रिय कि लिबरल पार्टी का सत्ता में लौटना नामुमकिन लगने लगा था।

ये वाजिब सवाल होगा कि कनाडा के चुनाव नतीजों को अमेरिकी राष्ट्रपति के खिलाफ जनादेश कैसे कहा जा सकता है। लेकिन हकीकत यही है कि डॉनल्ड ट्रंप ने अपने जुबानी तीर से कनाडा की संप्रभुता पर जिस तरह निशाने साधे, वही कनाडा के आम चुनाव में निर्णायक मुद्दा साबित हुआ। वरना, पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रुडो की सरकार इतनी अलोकप्रिय हो गई थी कि लिबरल पार्टी का सत्ता में लौटना नामुमकिन लगने लगा था। दरअसल, ट्रुडो को नेतृत्व छोडना ही इसलिए पड़ा, क्योंकि पार्टी अपने को सियासी संकट में पा रही थी। मगर ट्रंप के ह्वाइट हाउस में प्रवेश के साथ कनाडा की राजनीति ने करवट लेना शुरू किया।

पिछले साल के आखिर तक अगले प्रधानमंत्री के रूप में देखे जा रहे कंजरवेटिव पार्टी के नेता पियरे पॉलिवर ने अपनी छवि कनाडा के ट्रंप के रूप बना रखी थी। ट्रंप जैसी नीतियों के जरिए कनाडा के आर्थिक संकट को दूर करने का उनका वादा काम करता दिख रहा था। लेकिन जब असली ट्रंप का आक्रामक रूप दुनिया के सामने आया, जिसकी चपेट में कनाडा भी आ गया, तो वहां के लोगों में विपरीत प्रतिक्रिया होना लाजिमी ही था। पॉलिवर ने नए माहौल में ट्रंप विरोधी तेवर अपनाए, कनाडा की संप्रभुता की रक्षा के लिए अपनी प्रतिबद्धता जताई, लेकिन तब तक माहौल बदल चुका था।

अब साफ है कि मतदाताओं ने ट्रंप के हमलों से कनाडा की रक्षा करने के लिहाज से लिबरल पार्टी के नए नेता मार्क कार्नी को अधिक सक्षम माना है। कार्नी ने अमेरिकी बैंक गोल्डमैन शैक्स से करियर शुरू किया और बैंक ऑफ कनाडा तथा बैंक ऑफ इंग्लैंड के गर्वनर रह चुके हैं। नव-उदारवाद और मुक्त व्यापार के पैरोकार हैं। राजनीति में आने के बाद से आर्थिक नीतियों में नैतिक मूल्यों को भी स्थान देने की वकालत उन्होंने की है। बहरहाल, उनके सामने चुनौतियां बेहद गंभीर हैं। एक तो ट्रुडो शासनकाल में पैदा हुई समस्याएं हैं और ऊपर से ट्रंप की नीतियों से पेश आईं चुनौतियां हैं। फिलहाल, कनाडा में बना ट्रंप विरोधी राष्ट्रवाद उनकी ताकत बना है, मगर अंततः लोग उनका आकलन समस्याओं के समाधान की कसौटी पर ही करेंगे।(आरएनएस)

सू- दोकू क्र. 26

	6	3		8		1		4
8			3		4		7	
	4			5		8		
3		8			1		4	
	1			4		9		7
		4			2		1	
1				3		4		8
	8		2		9		3	
		9		1		2		5

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.25 का हल

6	7	9	2	4	5	3	1	8
2	1	8	3	7	6	9	5	4
7	6	4	5	2	8	1	3	9
3	8	1	6	9	7	2	4	5
9	2	5	4	1	3	8	6	7
8	3	7	9	6	4	5	2	1
5	4	2	8	3	1	7	9	6
1	9	6	7	5	2	4	8	3
4	5	3	1	8	9	6	7	2

आईएएस सोनिका ने किया मेला अधिकारी कुंभ का पदभार ग्रहण

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। शासन के निर्देशों के क्रम में आईएएस सोनिका ने आज मेला अधिकारी कुंभ हरिद्वार का पदभार ग्रहण कर लिया है।

मेला नियंत्रण भवन (सीसीआर) में प्रेस से वार्ता करते हुए उन्होंने कहा कि आगामी कुंभ का आयोजन सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित ढंग से भव्यता के साथ आयोजित किया जाएगा, जिसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं एवं तैयारियां की जा रही हैं। जिसके लिए केन्द्र सरकार के दिशा निर्देशन में शासन स्तर एवं जिला स्तर पर कई महत्वपूर्ण बैठके आयोजित की जा चुकी हैं।

उन्होंने कहा कि कुंभ को सुव्यवस्थित एवं भव्यता के साथ आयोजन करने के लिए सभी आवश्यक तैयारिया की जा रही है जिसमें मुख्यत: सुरक्षा के दृष्टिगत, पार्किंग, यातायात एवं साफ सफाई के लिए रोड मैप तैयार किया जा रहा है जिसके लिए सभी के सुझाव भी लिए जाएगें, ताकि व्यवस्था सुव्यवस्थित तरीके से की जा सके।

उन्होंने कहा का कुम्भ मेले के सफल आयोजन हेतु सभी से समन्वय करते हुए कार्य किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि आवश्यकता के अनुरूप ही निर्माण कार्य कराएं जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ पत्रकार कैलाश बडोनी के निधन पर दुःख व्यक्त किया

देहरादून (कास)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वरिष्ठ पत्रकार कैलाश बडोनी के निधन पर दु:ख व्यक्त किया। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिवारजनों को धैर्य प्रदान करने की ईश्वर से कामना की है।

महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी ने भी वरिष्ठ पत्रकार कैलाश बडोनी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिजनों को धैर्य प्रदान करने की कामना की है।

डम्पर की चपेट में आकर युवक की मौत

संवाददाता

देहरादून। डम्पर की चपेट में आकर सडक किनारे खडे युवक की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलोर निवासी इलियास ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका बेटा शौकीन किसी काम से देहरादून आया था। वह सहस्त्रधारा रोड पर सडक किनारे अपनी मोटरसाईकिल के साथ खडा था तभी एक तेज गति से आ रहे डम्पर ने उसको अपनी चपेट में ले लिया जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों ने उसको अस्पताल में भर्ती कराया जहां पर उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गयी। पुलिस ने मुंकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

चोरी की मोटरसाईकिलों...

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

कैमरो की फुटेजों का अवलोकन करते हुए घटना में शामिल संदिग्धों के संबंध में जानकारियां प्राप्त की गई, साथ ही सीसीटीवी से प्राप्त फुटेजों का पूर्व में चोरी व स्नेचिंग की घटनाओं में जेल गए लोगों से मिलान किया गया। पुलिस टीम द्वारा की गई त्वरित कार्यवाही तथा अथक प्रयासों से पटेल नगर पुलिस को प्राप्त सूचना के आधार पर चेकिंग के दौरान अलग-अलग स्थानों, पाम सिटी को जाने वाले कच्चे रास्ते से पर्स स्नैचिंग की घटना में शामिल 2 लोग अश्वनी पुत्र जय प्रकाश, आशीष सक्सैना पुत्र खुशालीराम तथा लालपुल के पास से पर्स चोरी ली घटना में शामिलविकास चौहान पुत्र विनोद चौहान को गिरफ्तार किया गया, जिनके कब्जे से घटनाओ में छीने/चोरी किये गए 02 मोबाइल फोन, नगदी तथा चोरी के 03 दोपहिया वाहन बरामद हुए। पुलिस ने तीनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

समाज कल्याण में पंजीकृत दिव्यांग कल्याण क्षेत्र में कार्यरत संस्थाओं की होगी जांच !

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। समाज कल्याण विभाग में दिव्यांग कल्याण को पजीकृत संस्थाओं द्वारा जिले की 20 दिव्यांग बालिकाओं सेन्टर में दाखिला न दिए जाने का ताजा मामला प्रकाश में आया है। जिलाधिकारी सविन बंसल ने दिव्यांग बच्चों के कल्याण, उत्थान एवं उपचार के क्षेत्र में कार्य कर रही संस्थाओं द्वारा बच्चों को संस्था में लेने से इनकार करने गंभीरता से लिया है। जबकि यह संस्थाएं बच्चों की सेवा के नाम पर राज्य एवं केन्द्र सरकार सहित विदेशी फंडिंग भी प्राप्त कर रही हैं। विशेष सूत्रों से प्राप्त जानकारी तथा शिकायतें प्राप्त हो रही है कि यह संस्थाएं जो अपनी क्षमता, संसाधन स्टाफ एवं बच्चों की संख्या दिखाते हैं वह संस्थानों पर उपलब्ध नहीं होते है। पंजीकरण के दौरान जो मानव संसाधन दस्तावेज में दिखाए जाते हैं वह केन्द्रों पर उपलब्ध नहीं है। इसमें कई नामी गिरामी संस्थाएं भी शामिल है। जरूरत पड़ने पर दिव्यांग बच्चों के कल्याण, उपचार दाखिला पर इन संस्थाओं द्वारा बिना बच्चों को लिए सीधे इनकार किया जा रहा है।

इससे क्षुब्ध होकर डीएम ने सख्त नाराजगी जाहिर करते हुए सभी तथ्यों पर 10 बिंदुओं पर जांच करने हेतु उच्च स्तरीय समिति बिठाई है। समिति निध

ारित समयावधि में अपनी जांच आख्या प्रस्तुत करने के कड़े निर्देश दिए हैं मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर संस्थाओं का पंजीकरण निरस्त कर दिया जाएगा। वहीं डीएम ने समाज कल्याण अधिकारी एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी को अधिकारियों का पाठ पढाते हुए कहा कि महज हस्ताक्षर, संस्तुति देने तक ही सीमित न रहे अपने अधिकारियों को पहचाने तथा मानव कल्याण को सख्त एक्शन लें। उन्होंने कड़े शब्दों में कहा कि दिव्यांग असहायों का शोषण व अधिकारों का हनन बर्दाश्त नही किया जाएगा ऐसा करने वालों के विरूद्ध सख्त एक्शन लिया जाएगा। ज्ञातव्य है कि यह संस्थाए दिव्यांग असहायों के कल्याण, शिक्षा एवं उपचार के नाम पर राज्य एवं केन्द्र सरकार सहित विदेशी फंडिंग प्राप्त करती है, जो संसाधन, चिक्सिक, टीचर्स, विशेषज्ञ, मानवश्रम, स्टॉफ आदि पंजीकरण के दौरान अभिलेखों में दर्शाए जाते हैं वह मौके पर नही होते तथा बच्चों की जो संख्या बताई जाती है वह नहीं होती है।

समाज कल्याण में दिव्यांग कल्याण क्षेत्र में कार्यरत जनपद देहरादून अन्तर्गत इन संस्थाओं की होगी जांच: बजाल इंस्टिट्यूट ऑफ लर्निंग राजपुर रोड, लतिका राय फांउडेशन बसंत विहार, भरत मंदिर स्कूल सोसायटी ऋषिकेश, रैफल राईडर चौशायर इन्टरनेशनल सेंटर मोहनी रोड, अरूणिमा प्रोजेक्ट विथ ऑटिज्म यूनिट ऑफ द गेटवे ग्राम सिनोला, यशोदा फांउडेशन डोईवाला, एमडीआरएस तपोवन, मुशीसभा सेवा सदन एवं पुनर्वास हर्बटपुर, दिव्य एजुकेशन सोसायटी निम्बुवाला, डिस्लेक्सिया सोसायटी ऑफ उत्तराखण्ड राजपुर रोड, सेतु संस्था डालनवाला, हरबर्टपुर किशचियन हॉस्पिटी सोसाइटी हरबर्टपुर, व चौशायर होम्स इंण्डिया डालनवाला, वसुन्धरा मानव कल्याण संस्था देहरादून, लर्निंग ट्री विशेष बच्चों का विद्यालय धर्मपुर, नन्ही दुनिया मूक बधिर विद्यालय कालीदास रोड, आशा स्कूल गढीकैंट, आशोनिक वैलफैयर सोसायटी के अन्तर्गत सशक्त स्पेशल स्कूल बालावाला देहरादून, नन्दा देवी निर्धन दिव्यांग कल्याण एसोसिएशन देहरादून।

नाबालिग सहित तीन लापता

संवाददाता

देहरादून। नाबालिग सहित तीन लोगों के लापता होने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार शिव मंदिर कालोनी निवासी व्यक्ति ने कैण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका नाबालिग बेटा घर से बिना बताये कहीं चला गया है जिसको काफी तलाश किया लेकिन उसका कुछ पता नहीं चल सका है। इसके साथ ही बंजारावाला निवासी अपने साले व मोरोवाला निवासी ने क्लेमनटाउन थाने में अपने भांजे के बिना बताये कहीं चले जाने का मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने तीनों मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

घर से दो मोबाइल चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने घर के अंदर से दो मोबाइल फोन चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कारगी रोड बहुगुणा कालोनी निवासी सपनिल रावत ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया कि उनके घर के अन्दर दो मोबाइल रखे हुए थे। थोडी देर बाद जब वह वहां पहुंचा तो उसने देखा कि उसके दोनों मोबाइल अपने स्थान से गायब थे। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

चार धाम यात्रा की सुस्त रफ्तार

विशेष संवाददाता

देहरादून। चार धाम यात्रा को लेकर प्रारंभिक दौर में भारी उत्साह की संभावनाएं जताई जा रही थी लेकिन खराब मौसम और भारत पाक के बीच तनाव ने इन सभी उम्मीदों पर पानी फेर दिया है ।अब तक चार धाम यात्रियों की संख्या में बीते साल की तुलना में 26 फीसदी की कमी बताई जा रही है। सरकारी स्तर पर अब इस उदासीनता को कम करने के प्रयास किये जा रहे हैं। एक तरफ धार्मों में यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाने की बात कही जा रही है तो दूसरी ओर अब यात्रियों को पंजीकरण की सुविधा होटल और धर्मशालाओं में ही प्रदान करने की बात कही जा रही है।

जानकारी के मुताबिक अब ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन करने के लिए खुद टीम होटल वह धर्मशालाओं तक जाएगी तथा यात्रियों को पंजीकरण कैंपों में लाइनों में लगने से मुक्ति मिल सकेगी। 25 से अधिक यात्री अगर कहीं किसी होटल या धर्मशालाओं में होंगे तो पर्यटन विभाग की टीम वहीं जाकर आधार कार्ड के आधार पर उनका पंजीकरण करेगी।

अब तक लगभग 28 लाख लोगों द्वारा ऑनलाइन वीडियो ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन कराए गए हैं। तथा कुल 8 लाख के आसपास यात्री सभी चारों धामों में दर्शन कर चुके हैं जिसमें सबसे अधिक केदार धाम में 2.5 लाख,

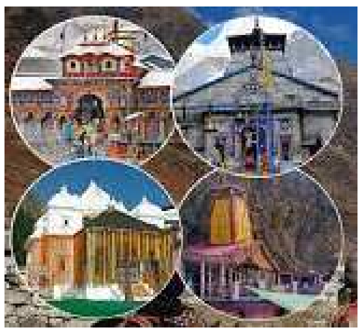

❑अब तक 26 फीसदी कम रही यात्री संख्या

❑शासन प्रशासन सुधार की कोशिशों में जुटा

बद्रीनाथ में 1.70 लाख तथा गंगोत्री यमुनोत्री में 2 लाख के आसपास यात्री दर्शन कर चुके हैं जो बीते साल की तुलना में 26 फीसदी कम है। इसका कारण बे मौसम बारिश व भारत पाक के बीच तनाव तथा धामो में सुविधाओं का अभाव माना जा रहा है।

उधर मौसम विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार इस साल मानसून भी उत्तराखंड में चार-पांच दिन पहले दस्तक देने वाला है। पहले ही दौर में मानसून से प्रभावित हो चुकी चार धाम यात्रा पर जल्दी मानसून आने का भी असर पढ़ना तय है। इसलिए आशंकाएं जताई जा रही है कि बीते साल से कम यात्री इस साल चार धाम यात्रा पर आ पाएंगे जो राज्य की अर्थव्यवस्था के लिए अच्छी खबर नहीं है।

वित्तीय स्थिति में उत्तराखंड नम्बर दो

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि छोटे राज्यों की वित्तीय स्थिति के मामले में उत्तराखंड ने गोवा के बाद दूसरा स्थान प्राप्त किया है।

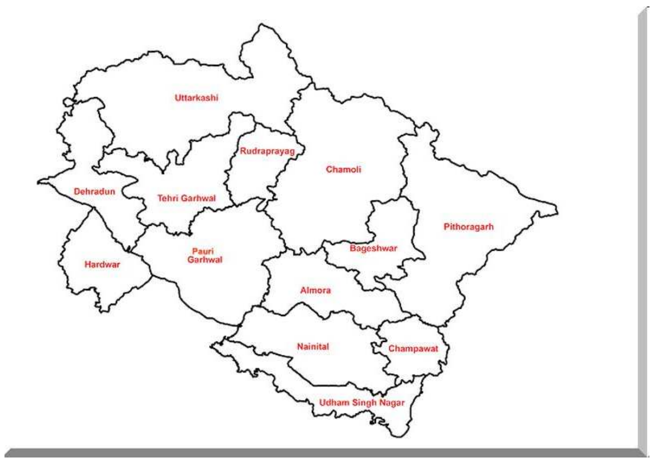

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड ने वित्तीय प्रबंधन और सुशासन के क्षेत्र में एक और शानदार उपलब्धि हासिल की है। देश की प्रतिष्ठित बिजनेस समाचार वेबसाइट फाइनेंशियल एक्सप्रेस की ताजा रैंकिंग के अनुसार, छोटे राज्यों की वित्तीय स्थिति के मामले में उत्तराखंड ने गोवा के बाद दूसरा स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि राज्य के मजबूत वित्तीय अनुशासन, पारदर्शी प्रशासन और विकासोन्मुख नीतियों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट में बताया गया है कि उत्तराखंड ने राजकोषीय घाटे को नियंत्रित करने, स्वयं के कर राजस्व में वृद्धि, बकाया ऋण को संतुलित करने और सरकारी गारंटियों के प्रबंधन में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। इसके अलावा, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे सामाजिक क्षेत्रों में बेहतर निवेश ने भी राज्य की रैंकिंग को और मजबूती प्रदान की है। वित्तीय प्रबंधन के साथ-साथ उत्तराखंड ने सुशासन के क्षेत्र में भी अपनी धाक जमाई है। उन्होंने कहा कि राज्य में व्यवसायिक माहौल को बेहतर बनाने, न्यायिक प्रक्रियाओं को तेज करने और डिजिटल ई-सेवाओं को सशक्त करने के प्रयासों ने उत्तराखंड को प्रशासनिक दक्षता में अग्रणी बनाया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने भविष्य में विकास की गति को और तेज करने का संकल्प लिया है, ताकि उत्तराखंड न केवल वित्तीय, बल्कि समग्र विकास के मामले में भी देश में शीर्ष पर पहुंचे। उत्तराखंड सरकार अब डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर को और मजबूत करने, पर्यटन को बढ़ावा देने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने पर विशेष ध्यान दे रही है। उत्तराखंड के लिए यह गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा कि छोटे राज्यों में वित्तीय प्रदर्शन में दूसरा स्थान हासिल करना हमारी सरकार की नीतियों, कड़ी मेहनत और जनता के विश्वास का परिणाम है। हमने वित्तीय अनुशासन को प्राथमिकता दी और शिक्षा, स्वास्थ्य, डिजिटल सेवाओं व न्याय व्यवस्था को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया। 'डबल इंजन सरकार' के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में हम उत्तराखंड को देश का अग्रणी राज्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा लक्ष्य उत्तराखंड को ऐसा राज्य बनाना है, जहां हर नागरिक को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं और अवसर उपलब्ध हों। यह उपलब्धि उत्तराखंड के उज्ज्वल भविष्य की ओर एक और कदम है, जो विकास और समृद्धि के नए कीर्तिमान स्थापित करने की दिशा में अग्रसर है।

पुलिस व बदमाशों के बीच फायरिंग, एक बदमाश घायल अन्य फरार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। पुलिस एवं बदमाशों के बीच सुबह सुबह हुई मुठभेड़ में जहां एक बदमाश घायल हुआ है अन्य फरार होने में सफल रहे। घायल बदमाश को उपचार हेतु रुड़की अस्पताल भेजा जाया गया। वहीं सूचना मिलने पर आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और अन्य बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है।

मामला कलियर थाना क्षेत्र में आज सुबह का है। मिली जानकारी के अनुसार कलियर थाना पुलिस गो तस्करी की सूचना पर रोलहेडी के पास जंगल में पहुंची थी। उन्होंने बदमाशो की तलाश शुरू की तभी उन्हें कुछ संदिग्ध दिखाई दिए पुलिस द्वारा पूछे जाने पर बदमाशों ने पुलिस के ऊपर फायरिंग कर डाली। जवाबी फायरिंग में पुलिस की एक गोली बदमाश को जा लगी। वहींकुछ बदमाश मौके से फरार हो गए उनकी तलाश जारी है। घायल हुए व भागे गये सभी बदमाश गो तस्कर बताये जा रहे हैं। वहीं पुलिस द्वारा घायल को उपचार के लिए सिविल अस्पताल रुड़की भेजा गया।

मुठभेड़ की सूचना मिलने पर पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और जानकारी जुटाई। वही सिविल अस्पताल पहुंचकर भी घायल से पूछताछ की। घायल का नाम 35 वर्षीय नौशाद निवासी सिकरौढा थाना भगवानपुर बताया गया है आरोपी के खिलाफ गौ तस्करी के कई मुकदमे दर्ज हैं।

शतरंज है हराम: तालिबान

नई दिल्ली। तालीबान ने अफगानिस्तान में चेस यानी शतरंज के खेल पर प्रतिबंध लगा दिया है। उसने इस खेल को इस्लामिक कानून के खिलाफ बताते हुए यह कदम उठाया है। अफगानिस्तान में तालीबान का राज आने के बाद यह देश में खेल और मनोरंजन को सीमित करने का एक और एक्शन है। खामा प्रेस की खबर के मुताबिक, सदगुण प्रचार और दुराचार निवारण मंत्रालय ने यह बैन लगाया है। उसने अपने इस एक्शन में चेस को हराम करार दिया है और इसके साथ ही अफगानिस्तान चेस फेडरेशन को भी तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया है। तालीबान के खेल मंत्रालय ने भी इसकी पुष्टि करते हुए कहा, 11 मई से चेस से संबंधित सभी गतिविधियां अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई हैं। उन्होंने कहा, जब तक इस मामले पर धार्मिक चिंताएं दूर नहीं हो जातीं तब तक यह प्रतिबंध जारी रहेगा। सरकारी खेल विभाग के प्रवक्ता अटल मशवानी के अनुसार, शतरंज को शरिया कानून के अनुसार, जुआ माना जाता है और तालीबान शरिया का कड़ाई से पालन करता है। उन्होंने कहा, शरिया में शतरंज को जुए का एक साधन माना गया है और पिछले साल लागू हुए सदगुण प्रचार और दुराचार निवारण कानून के अनुसार जुआ प्रतिबंधित है।श तालीबान के बाहर इस खबर से चेस जगत में काफी हैरानी जताई जा रहा है। शतरंज के खेल में अफगानिस्तान ने अभी बेहतरीन सुधार दिखाया था। यहां की चेस फेडरेशन खिलाड़ियों के साथ मिलकर उन्हें इंटरनेशनल टूर्नामेंट में प्रभावशाली छाप छोड़ने के लिए तैयार कर रहा था।

शोपियां में सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में ढेर किए तीन आतंकी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में भारतीय सुरक्षा बल आतंकवादियों का सफाया करने में जुटे हैं। मंगलवार सुबह से शोपियां जिले के शुकरू जंगलों में जम्पाथरी के आस-पास मुठभेड़ हुई । सुरक्षा बलों ने दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले के केल्लर के शुकरू वन क्षेत्र में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में 3 लश्कर आतंकियों को मार गिराया है।

एक शीर्ष पुलिस अधिकारी ने बताया कि कुछ आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद केल्लर के जंगलों में व्यापक घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया गया था। जैसे ही पुलिस और सेना की टीम ने तलाशी अभियान शुरू किया, छिपे हुए आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। गोलीबारी के दौरान लश्कर के 3 आतंकवादी मारे गए, हालांकि आतंकवादियों की पहचान का पता लगाया जा रहा है।

बता दें कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद से सुरक्षाबल आतंकियों की तलाश में विशेष अभियान छेड़े हुए हैं। वहीं ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान स्थित टेरर कैंप तबाह होने के बाद से जम्मू कश्मीर में सैन्य अभियान ने भी तेजी रफ्तार पकड़ ली है।

उधर, पहलगाम हमले से जुड़े आतंकियों की तलाश भी जारीहै। सुरक्षा बलों ने इन आतंकियों के पोस्टर लगाए हैं और 20 लाख रुपये का इनाम भी घोषित कर रखा है। 22 अप्रैल को हुए इस हमले में आतंकियों ने 26 पर्यटकों की हत्या कर दी थी। सुरक्षाबलों की ओर से कश्मीर के स्थानीय लोगों से आतंकियों की तलाशी के लिए मदद ली जा रही है ।

मुंबई को मिली बम से उड़ाने की धमकी

मुंबई (कासं)। भारत-पाकिस्तान टेंशन के बीच मुंबई को बम से उड़ाने की धमकी भरा मेल मिला है। ये धमकी भरा मेल मुंबई पुलिस को भेजा गया है। गुमनाम ईमेल एड्रेस से मुंबई को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद पुलिस हाई अलर्ट पर है। मुंबई पुलिस को भेजे गए इस मेल में महाराष्ट्र की राजधानी को बम से उड़ाने की धमकी देते हुए लिखा गया है आज या कल या दो दिनों में एक बड़ा विस्फोट हो सकता है। इस धमकी भरे मेल में संभावित विस्फोट का सटीक समय और स्थान का जिक्र नहीं किया गया है इसलिए पुलिस ने मुंबई के हर इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी है। पुलिस के ईमेल एड्रेस पर धमकी भरा मेल

मिलने के बाद मुंबई की साइबर टीम ईमेल के आईपी एड्रेस का पता लगाने में जुट चुकी है। ताकि ईमेल भेजने वाले की पहचान जल्द्द से जल्द्द करके उसे पकड़ा जा सके।

यह पहली बार नहीं है जब मुंबई पुलिस को इस तरह की धमकियों से भरा ईमेल मिला है। इससे पहले हाई प्रोफाइल लोगों के आवास और मुंबई के अन्य स्थानों को बम से उड़ाने के धमकी भरे मेल मिल चुके हैं। हालांकि सभी धमकियां झूठी साबित हुई थी। इसके बावजूद हर बार की तरह इस बार भी इस धमकी भरे मेल को पुलिस गंभीरता से ले रही है। नियंत्रण कक्ष को तुरंत धमकी के बारे में सूचित किया गया, जिससे जाँच शुरू होते ही पूरे शहर में अलर्ट हो गया। इससे पहले मई में, एक फोन कॉल के जरिए ऐसी ही धमकी दी गई थी जिसमें दावा किया गया था कि अंधेरी ईस्ट के एक फ्लैट में बम रखा गया है। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की, लेकिन पता चला कि यह कॉल मानसिक रूप से बीमार व्यक्ति द्वारा की गई झूठी सूचना थी, जिसके कारण गिरफ्तारी न करने का फैसला किया गया।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।